



न्यायालय: माननीय राजस्व मण्डल म०प्र० ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक

12015 पुनरीक्षण

नि०/326 - PBR-15

रामचरन पुत्र स्व० श्री कामताप्रसाद
बरार, आयु-60 वर्ष व्यवसाय-
काशतकारी निवासी- ग्राम सांसन,
तहसील भितरवार, परगना
भितरवार, जिला ग्वालियर म०प्र०

---आवेदक

बनाम

1. कल्ली पुत्र श्री नारायणजू, जाति
नाई, व्यवसाय- काशतकारी,
निवासी- ग्राम सांसन, तहसील
भितरवार, परगना भितरवार, जिला
ग्वालियर म०प्र०

2. म०प्र० शासन --- अनावेदकगण

पुनरीक्षण अन्तर्गत धारा 50 म०प्र० भू-राजस्व
संहिता 1959 विरुद्ध आदेश दिनांक 21/06/2013
पारित द्वारा न्यायालय तहसीलदार तहसील भितरवार,
परगना भितरवार जिला ग्वालियर, म०प्र० के प्रकरण
क्रमांक 14/2012-13/अ-12 व उनवान कल्ली

श्री रामचन्द्र सिंह 2 पत्र प्र. द्वारा
दिनांक 9-2-15 को प्रस्तुत

स. 9-2-15

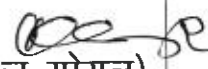
Ramji
9-2-15

अभिभाषक
स्ताक्षर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

निगरानी 326-पीबीआर/15

जिला ग्वालियर

तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
<p>01e 3-6-2015 u- Zene e - 2 +e - 2 4</p>	<p>आवेदक के विद्वान अभिभाषक द्वारा ग्राह्यता पर प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया गया । तहसीलदार के आदेश दिनांक 21-6-2013 की सत्य प्रतिलिपि का अवलोकन किया गया । तहसीलदार के आदेश को देखने से स्पष्ट है कि राजस्व निरीक्षक द्वारा प्रश्नाधीन भूमि का विधिवत सीमांकन किया जाकर प्रतिवेदन तहसीलदार के समक्ष प्रस्तुत किया गया है । सीमांकन पंचनामों से स्पष्ट है कि सीमांकन के समय आवेदक उपस्थित रहे हैं और सीमांकन में उसके द्वारा कोई आपत्ति प्रस्तुत नहीं की गई है । अतः तहसीलदार द्वारा पारित सीमांकन आदेश में प्रथम दृष्टया कोई अवैधानिकता अथवा अनियमितता परिलक्षित नहीं होती है । फलस्वरूप यह निगरानी आधारहीन होने से अग्राह्य की जाती है ।</p> <p style="text-align: right;">  (मनोज गोयल) अध्यक्ष </p>	

(मनोज गोयल)
अध्यक्ष